# कला के नवीन स्वरूप

नरेन्द्र सिंह यादव

अजय यादव



वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)

भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

# अनुक्रमणिका


| क्र.सं. | अध्याय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1. | **कला (Art)**<br>कला का अर्थ एवं परिभाषाएँ, कलाओं का वर्गीकरण, ललित कला, व्यावहारिक कला, ललित कलाएँ एवं व्यावहारिक कलाएँ, दृश्य कलाएँ (द्विआयामी एवं त्रियामी कलाएँ), | 1-14 |
| 2. | **शैली (Style)**<br>सांस्कृतिक शैली, कालावधि शैली, क्षेत्रीय शैली, समूह शैली, व्यक्तिगत शैली, **कला एवं प्रकटन (रूप बनावट)** सादृश्य मूलक कला, वस्तु निरपेक्ष या अमूर्त कला एवं असादृश्य मूलक कला | 15-22 |
| 3. | **दृश्य कला के तत्त्व (Elements of Visual Art)**<br>रेखा, रंग (वर्ण), आकृति (रूप), तान, पोत एवं अन्तराल, परिप्रेक्ष्य | 23-42 |
| 4. | **संयोजन के सिद्धान्त (Principles of Composition)**<br>सन्तुलन, अनुपात, विरोधाभास अथवा महत्त्व देना, दृष्टि संचलन (प्रवाह/लय) एवं एकता | 43-52 |
| 5. | **उपकरण एवं सामग्री (Equipments and Materials)**<br>पेन्सिल एवं पेन, ब्रश, चित्रतल (कागज व केनवास आदि), रंग, ईजल व डोंकी, ड्राइंग बोर्ड, रेखक, त्रिभुज, परकार, विभाजक व टी-स्क्वायर एवं फुहार रंजित्र (एयर ब्रश) आदि | 53-58 |
| 6. | **दृश्य कला माध्यम एवं पद्धतियाँ (Visual Art Media and Methods)**<br>**द्वि-आयामी कलाएँ**-रेखांकन, चित्र, तेल रंग चित्र, जलरंग चित्र, टैम्परा, भारतीय टैम्परा पद्धति, हाथीदाँत पर चित्र, पट चित्र, भित्ति चित्र, भित्ति चित्रण की राजस्थानी पद्धति, ऐक्रिलिक रंगचित्र, पच्चीकारी, रंगीन कांच चित्र (मणीकुट्टम) मिश्रित माध्यम, कोलाज, एनैमल (तामचीनी चित्र) एवं बाथिक चित्रण आदि। | 59-94 |
| 7. | **छापाकला (Print Making)**<br>ऊभरी सतह से मुद्रण (काष्ठ चित्र, काष्ठ उत्कीर्णन, लिनोलियम चित्र) | 95-122 |

अन्त: सतह उत्कीर्णन (प्लेट उत्कीर्णन, ड्राई प्वांइट, अम्लांकन, एक्वाटिन्ट, मीजोटिन्ट, कोलोग्राफ, विस्कोसिटी), समतल सतह से मुद्रण (लिथोग्राफी, मैटल प्लेट लिथोग्राफी), स्टेन्सिल अथवा सैरीग्राफी, मिश्रित माध्यम छापाचित्र, एकल मुद्रण, कांच अम्लांकन चित्र, थेवा कला

8. **ग्राफिक डिजाइन (Graphic Design)** 123-138

डिजाइन, ग्राफिक डिजाइन, टाइपोग्राफी, लोगो, इलस्ट्रेशन, समाचार-पत्र एवं पत्रिका विज्ञापन, पोस्टर, **फोटोग्राफी** (छायांकन)

9. **त्रि-आयामी कलाएं (Three Dimentional Arts)** 139-160

**मूर्तिकला** (पूर्ण रूप से स्वतंत्र मूर्तियाँ एवं उभारदार मूर्तियाँ), **मूर्ति सृजन की पद्धतियाँ**-उत्कीर्णन पद्धति (पत्थर उत्कीर्णन व लकड़ी उत्कीर्णन), मूर्ति गढ़ना (मिट्टी, मृत्तिका मूर्ति, मोम, प्लास्टर), **मूर्ति ढलाई** (प्लास्टर का साँचा तैयार करना, रबर का साँचा), धातु की ढलाई (सैण्ड कास्टिंग, डोगरा पद्धति, लोस्ट वैक्स प्रक्रिया), **फाइबर ग्लास, सामग्री को जोड़ना या संरचना करना** (संस्थापन एवं स्थान विशिष्ट के लिये बनाई मूर्तियाँ) गत्यात्मक मूर्तियाँ, **मृतिका/मृद्भाण्ड** (सेरेमिक/पोट्री), **ब्ल्यू पोट्री**

10. **कला के कार्य एवं उद्देश्य (Functions and Purposes of Art)** 161-170

सम्प्रेषण, दृश्य आनन्द, मनोरंजन एवं सौंदर्य सृजन, आध्यात्मिक एवं धार्मिक मूल्यों की अभिव्यक्ति, सजावट उपलब्ध करवाना, व्यक्तिगत अभिव्यक्ति एवं स्वप्न चित्र, अनुभवों का अभिलेखन एवं गुणगान, भावनाओं एवं विचार शक्ति को प्रेरित करना, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ को प्रतिबिम्बित करना, सृजनात्मक प्रेरणा, शिक्षा, बाह्य वास्तविकताओं का प्रस्तुतीकरण, सच्चाई को उद्घाटित करना, अन्याय का विरोध एवं सामाजिक चेतना को बढ़ाना, सामाजिक एवं राजनैतिक उद्देश्य

11. **विविध विषयों का चित्रांकन (Painting of Various Subjects)** 171-176

संयोजन, व्यक्ति चित्र, वस्तु चित्र, भू-दृश्य चित्र, अनुअंकन।

❑❑❑